>

Title: Need to re-open the railwlay gate No. 93C on Sabarkantha-Ahmedabad railway line near village Baktapur in Himmatnagar, Gujarat to facilitate movement of villagers.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र साबरकांडा (गुजरात) में अहमदाबाद से खेड़ब्रह्मा वाया हिम्मतनगर रेलवे लाइन जो आजादी के पहले से ही चलती है , बहुत पुरानी है। हिम्मतनगर के पास एक बकतापुर गांव है जहां से यह रेल लाइन पसार होती है वहां गांव के पीछे एक रेलवे का फाटक है जिसका नंबर 93-सी है। इस फाटक के रास्ते से गांववासी जो ज्यादातर किसान या खेत मजदूर है, वो अपने खेत में हल, बैलगाड़ी इत्यादि लेकर जाते हैं। इस वजह से गांववासियों के लिए यह बहुत उपयोगी फाटक है और यहां कभी भी कोई दुर्घटना नहीं हुई है। अब रेल विभाग ने अचानक इस फाटक वाले रास्ते के दोनों ओर से खड्डा खोद के आने जाने का रास्ता बंद कर दिया है जिसकी वजह से सारे बकतापुर गांववासियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हे। अतः मेरा अनुरोध है कि इस फाटक का रास्ता तुंत चालू कर दिया जाए और इसी रेल लाइन पर हिम्मतनगर के महेनापुर इलाके में जहां कोई आबादी नहीं है, कोइ सोसायटी नहीं, वहां एक नया फाटक चालू किया है जिसका नंबर एलसी 85 है, जहां जरूरत है वहां फाटक बंद कर रहे हैं और जहां कोई जरूरत नहीं है वहां नया फाटक चालू किया गया , जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।